Name of the college A.P.S.M College Barauni
Name - Dr. Rajesh Kumar Suman
Designation - [GT]
Class - B.A - Part - 2 [H]
Paper - III

Date - 19.04.2021
Unit - 01.

Name of the topic - Trade cycle.

⇒ विकसित देशों जैसे अमेरीका व ब्रिटेन ने विगत दो शताब्दियों में महान आर्थिक प्रगति की है परन्तु आर्थिक प्रगति विभिन्न आर्थिक उतार-चढ़ाव के साथ सम्पन्न हुई है। यद्यपि इन देशों में आर्थिक प्रगति के कारण राष्ट्रीय आय में दीर्घकालीन प्रवृत्ति बढ़ने की रही है परन्तु विभिन्न वर्षों में राष्ट्रीय आय में उतार-चढ़ाव भी आते रहे हैं। इन आर्थिक उतार-चढ़ाव को ही व्यापारिक-चक्र [Business cycle] कहते हैं। अतः व्यापारिक-चक्र अथवा आर्थिक उतार-चढ़ाव से हमारा तात्पर्य, आय, रोजगार व कीमतों में अल्पकालीन उतार-चढ़ावों या उच्चावचनों से है।

⇒ ऊँची आय, अधिक तथा अधिक रोजगार के साथ की समृद्धि का काल [Period of prosperity] कहा जाता है और कम आय, कम उत्पादन तथा कम रोजगार के काल को मन्दी का काल [Period of Depression] कहा जाता है। इन उतार-चढ़ावों की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि ये एक विशेष क्रम के साथ तथा नियमानुसार [Regular] होते रहते हैं।

परिभाषा :-

> प्रो० मिचेल के अनुसार :- "व्यापार चक्र उस प्रकार के उतार-चढ़ाव को कहते हैं जो विकसित व्यवसाय संगठन वाले समाजों की सम्पूर्ण आर्थिक कार्यशीलता में पाये जाते हैं। व्यापार-चक्र में सामान्य विस्तार की अवस्था में लगभग समान समय पर बहुत सी आर्थिक कार्यशीलताओं में विस्तार रहता है। उसके बाद सामान्य सुस्ती, गिरावट तथा मन्दी की अवस्था आती है जो अगले व्यापार-चक्र की विस्तार अवस्था में मिल जाती है। परिवर्तनों का यह चक्र आवर्तीय [Recurring] होता है।

परन्तु यह सामयिक [Periodic] नहीं होता है।

⇒ व्यापार-चक्रों की विशेषताएँ
[Characteristics of Trade cycle]

⇒ व्यापार-चक्र की विशेषताओं को इस प्रकार से स्पष्ट किया जा सकते हैं।

(A) प्रमुख विशेषताएँ [Main Characteristics]

(B) समकालिकता [Synchronism]

(A)- सामयिकता [Periodicity] → व्यापार-चक्र की एक प्रमुख विशेषता यह है कि व्यापार का उतार-चढ़ाव एक चक्र में चलता है अर्थात विस्तार व संकुचन एक-दूसरे के उपरान्त नियमित रूप से मध्यान्तर काल से आते रहते हैं। इसे सामयिक चक्र कहते हैं।

प्रो० शुम्पीटर का कथन है कि "19वीं शताब्दी तथा 20वीं शताब्दी के प्रथम भाग में यह अच्छे व बुरे व्यापार की परिवर्तन इस नियमितता से हुआ कि लोगों ने इसे व्यापार का स्वाभाविक-चक्र मान लिया जिसका काल लगभग 8 से लेकर 10 वर्ष तक होता है।"

शेष-आगे